



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 281]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 31, 2009/भाद्र 9, 1931

No. 281]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 31, 2009/BHADRA 9, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2009

अंतिम परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड से संबंधित मामले में मध्यावधि पाटनरोधी समीक्षा जाँच ।

सं. 15/21/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित तथा उपशीर्ष 2831.10.10 और 2832.10.20 के अंतर्गत आने वाले सोडियम हाइड्रोसल्फाइड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की सिफारिश की थी। आरंभिक परिणाम दिनांक 2 जनवरी, 2001 की अधिसूचना सं. 39/1/2000-डीजीएडी द्वारा प्रकाशित किए गए और दिनांक 12 मार्च, 2001 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 28/2001-सीमाशुल्क द्वारा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम शुल्क लागू किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 13 सितम्बर, 2001 को अधिसूचना सं. 39/1/2000-डीजीएडी द्वारा अंतिम परिणामों की घोषणा की और दिनांक 2 नवम्बर, 2001 की अधिसूचना सं. 114/2001-सीमाशुल्क के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा अंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया था ।

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागू शुल्कों को जारी रखने की समीक्षा करने और इस बात का पता लगाने के लिए कि क्या शुल्क के निष्प्रभावी होने की स्थिति में पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार दिनांक 5 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. 15/16/2005-डीजीएडी द्वारा चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरुआत की थी । निर्णायक समीक्षा में आगे की पाँच वर्ष की अवधि के लिए पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के साथ-साथ संदर्भ कीमत के रूप में शुल्क के रूप को निर्धारित से परिवर्तनशील कर दिया गया था। निर्णायक समीक्षा जाँच

अंतिम परिणाम दिनांक 06.09.2006 की अधिसूचना सं. 15/16/2005-डीजीएडी द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सीमाशुल्क विभाग द्वारा दिनांक 16.10.2006 की अधिसूचना सं. 108/2006 के तहत संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया था।

3. घरेलू उद्योग ने संदर्भ कीमत (निर्णायक समीक्षा के बाद क्या लागू) पर आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा का अनुरोध किया था। आवेदकों ने कहा कि निर्णायक समीक्षा में शुल्क को निर्धारित शुल्क से बदलकर परिवर्तनशील शुल्क कर दिया गया था। तथापि, समीक्षा अवधि के पश्चात कच्चे माल की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और गैर-क्षतिकारी कीमत में वृद्धि हुई। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु की आयात कीमतों में हुआ परिवर्तन निविष्टि कीमतों में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं है जिससे संदर्भ कीमत पर आधारित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की आवश्यकता सिद्ध होती है। इस आशय का अनुरोध घरेलू उद्योग द्वारा किया गया है जिसमें मै. ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री लि. (टीएसआईएल) शामिल है और उसे मै. डेमोशा केमिकल्स प्रा. लि. और मै. टीसीपी लि. का समर्थन प्राप्त है।

4. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समीक्षा की आवश्यकता को प्रमाणित करने वाले सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर संतुष्ट होने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार दिनांक 01.10.2008 की अधिसूचना सं. 15/21/2008-डीजीएडी द्वारा मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत की थी।

ख. प्रक्रिया

5. इस जाँच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i) समीक्षा जाँच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर तथा आवश्यक सूचना भिजवाने के लिए घरेलू उद्योग, संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और ज्ञात आयातकों को अधिसूचित किया;

(ii) नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को जाँच की शुरुआत की सूचना दी गई और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने का परामर्श देने का अनुरोध किया गया।

(iii) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए चीन जन. गण. के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली प्रेषित की।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	जिनहे सोडियम हाइड्रोसल्फाइट फैक्टरी कं. लि.
2	गुआंगडॉंग झॉन्गचेंग कैमिकल्स कं. लि.
3	हायनान झॉन्गक्सिन कैमिकल्स कं. लि.
4	जिनहे सोडियम हाइड्रोसल्फाइट फैक्टरी कं. लि.
5	जियांग्सु यॉन्गक्सिन कं. लि.
6	झेजियांग हुइडिलांग कैमिकल कं. लि.
7	झेजियांग रून्दु कं. लि.
8	अन्हुई क्लोरो एल्कली कैमिकल ग्रुप कं. लि.

(iv) इनमें से किसी भी निर्यातक ने उपर्युक्त अधिसूचना में उल्लिखित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया।

(v) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि दिनांक 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 (पीओआई) है। तथापि क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2004- मार्च, 2005; अप्रैल, 2005-मार्च, 2006; अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 की अवधि तथा जाँच अवधि शामिल थी।

(vi) केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) तथा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे तथा जाँच की अवधि की सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। डीजीसीआई एंड एस से सूचना प्राप्त हो गई है। याचिकाकर्ताओं द्वारा चीन के सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों के आधार पर चीन से निर्यातों से संबंधित सूचना भी उपलब्ध कराई गई है।

(vii) संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने जाँच के प्रयोजनार्थ अपनी लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की है।

- मै. ट्रांसपैक-सिलॉक्स इंडस्ट्री लि. (टीएसआईएल)
- मै. टीसीपी लि.

(viii) नियम 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को जाँच शुरूआत अधिसूचना की प्रति के साथ-साथ आवश्यक सूचना भिजवाने के लिए आयातक प्रश्नावली प्रेषित की गई।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	मोरारजी ब्रेम्बाना लि.
2	मॉडर्न डेनिम
3	एस. कुमार्स लि.
4	ऑर्किड केमिकल्स एंड फार्मस्यूटिकल्स लि.
5	मदुरा कोट्स लि.
6	मफतलाल बर्लिंगटन इंड. लि.
7	जीएसआई (इंडिया) लि.
8	ज्ञानचंद रामजी दास
9	रेमंड डेनिम लि.
10	रिलायंस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लि.
11	बिड़ला वीएक्सएल लि.
12	वेलस्पन टेरीटॉवल्स (वेलस्पन इंडियन लि. की एक इकाई)
13	आंध्र प्रदेश पेपर मिल्स लि., इकाई-सीपी

उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में किसी भी आयातक अथवा प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं भेजा है।

(ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभिव्यक्त सभी विचारों और किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जाँच हेतु संगत सीमा तक विचार किया है।

(x) प्राधिकारी ने क्षति की जाँच करने और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तु की विनिर्माण तथा बिक्री लागत का परिकलन करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई करने के लिए पर्याप्त होगा, आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की यथासंभव सीमा तक जाँच की।

(xi) नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 3 जुलाई, 2009 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया। उपर्युक्त सुनवाई में केवल घरेलू उद्योग और एक आयातक ने भागीदारी की थी। पक्षकारों से मौखिक रूप में अभिव्यक्त विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। केवल घरेलू उद्योग द्वारा ही लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए गए हैं।

(xii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन परिणामों के लिए जिन अनिवार्य तथ्यों/आधार पर विचार किया गया था, उनसे दिनांक 28 जुलाई, 2009 के प्रकटन विवरण द्वारा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अवगत कराया गया था।

(xiii) केवल घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण का उत्तर दिया है और निम्नलिखित सूचना प्रस्तुत की है :

- (क) चीन द्वारा भारत में विचाराधीन उत्पाद का पाटन जारी है।
- (ख) घरेलू उद्योग को लगातार वास्तविक क्षति का सामना करना पड़ा है।
- (ग) वास्तविक क्षति में और अधिक वृद्धि हुई है।
- (घ) विभिन्न स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (ङ) पाटनरोधी शुल्क के वर्तमान स्तर के बाद भी अत्यधिक पाटन और क्षति मार्जिन मौजूद है।
- (च) पाटनरोधी शुल्क को और अधिक बढ़ाए जाने की जरूरत है।
- (छ) शुल्क अम. डा. के रूप में इंगित किए जाएंगे।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु उसे खुला रखा।

(xiv) गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जाँच की गई। प्राधिकारी ने जाँच से संतुष्ट होने के बाद, जहाँ भी आवश्यक था, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा हितबद्ध पक्षकारों को उसकी सूचना नहीं दी गई है। जहाँ भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय स्थांतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

(xv) जहाँ भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने से मना किया है अथवा अन्यथा सूचना प्रस्तुत नहीं की है या जाँच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहाँ प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन परिणामों को दर्ज किया है।

(xvi) अंतिम परिणाम संबंधी इस अधिसूचना में *** का तात्पर्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय ही मानी गई सूचना से है।

(xvii) इस जाँच अवधि के प्रयोजनार्थ अम. डा./रु. की विनिमय दर $40.75 = 1$ अम. डा. मानी गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु :

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं :

(i) वर्तमान समीक्षा जाँच एक मध्यावधि समीक्षा जाँच है; विचाराधीन उत्पाद पूर्व जाँचों में यथापरिभाषित उत्पाद के सदृश है।

(ii) मूल जाँच के उत्पाद और वर्तमान में उत्पादित और विश्व भर में बेचे जा रहे उत्पाद के बीच उत्पाद की विशेषताओं में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है।

(iii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। मूल जाँच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की विस्तृत जाँच की गई थी और उसकी पुष्टि अपेक्षित है।

ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के मत

7. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

8. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद सोडियम हाइड्रोसल्फाइड है (जिसे एतदप्रश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। विचाराधीन उत्पाद को अनेक वैकल्पिक नामों से भी जाना जाता है जिनमें हाइड्रोसल्फाइड कॉन्सन्ट्रेट, सोडियम डाइथियोनाइट अथवा सोडियम हाइड्रोसल्फाइड शामिल हैं।

9. सोडियम हाइड्रोसल्फाइड दृश्य बाहरी कर्णों से मुक्त तीखी गंध युक्त एक सफेद अथवा धूसर खेदार पाउडर है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के अंतर्गत आयातित है। यद्यपि वर्गीकरण उपशीर्ष 2831.1010 और 2832.1020 में सोडियम हाइड्रोसल्फाइड के रूप में विवरण दिया गया है लेकिन सही सीमाशुल्क वर्गीकरण सोडियम सल्फाइड्स के रूप में 8 अंकीय शीर्ष 2831.10 के अंतर्गत दिया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से मौजूदा जाँच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जाँच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर सोडियम हाइड्रोसल्फाइड के सभी रूप शामिल हैं।

10. भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड और चीन जन. गण. से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड में कोई विशेष अंतर नहीं है जिससे कीमत पर प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन. गण. से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रचालन एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों का बदल-बदलकर उपयोग किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन. गण. से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइड को समान वस्तु माना जा रहा है। अतः प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के यथा उपरोक्त होने की पुष्टि करते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

11. (i) भारत में संबद्ध वस्तु के चार उत्पादक हैं। पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, संवर्धन तथा उसके रूप में परिवर्तन हेतु याचिका मै. ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री द्वारा दायर की गई थी। अन्य तीन उत्पादकों, मै. डेमोशा कैमिकल्स, मै. टीसीपी लि. और मै. गुलशन कैमिकल्स लि. ने याचिका का समर्थन किया है। घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि यह याचिका शत-प्रतिशत भारतीय उत्पादकों द्वारा समर्थित है और इसलिए यह याचिका पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर आधार संबंधी अपेक्षा को पूरा करती है।

(ii) जाँच शुरुआत के उपरान्त मै. टीसीपी लि. ने क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की है। अतः प्राधिकारी के पास भारतीय उत्पादन में एक “प्रमुख हिस्से” की सूचना उपलब्ध है। अतः नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता को “घरेलू उद्योग” माना जाना चाहिए।

घ.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य किसी हितबद्ध पक्षकार ने “घरेलू उद्योग” के संबंध में कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

13. भारत में संबद्ध वस्तु के चार उत्पादक हैं अर्थात् मै. ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री लि., डेमोशा कैमिकल्स प्रा. लि., टीसीपी लि. और गुलशन कैमिकल्स लि.। पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, संवर्धन तथा उसके रूप में परिवर्तन हेतु याचिका मै. ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री लि. द्वारा दायर की गई थी और डेमोशा कैमिकल्स प्रा. लि., टीसीपी लि. द्वारा समर्थित थी। मै. गुलशन कैमिकल्स लि. ने बाद में याचिका का समर्थन किया था। जाँच शुरूआत के उपरान्त टीसीपी लि. ने क्षति एवं लागत निर्धारण से संबंधित सभी संगत सूचना प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी ने मै. डेमोशा कैमिकल्स प्रा. लि. और गुलशन कैमिकल्स लि. को क्षति एवं लागत निर्धारण से संबंधित सभी संगत सूचना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। तथापि इन कंपनियों द्वारा कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। भारतीय उत्पादन में मै. ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री लि. और टीसीपी लि. के उत्पादन का हिस्सा 50% से अधिक है।

14. नियमावली के अंतर्गत नियम 2(ख) में निम्नानुसार प्रावधान है :

“ “ घरेलू उद्योग ” का तात्पर्य समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न समूचे घरेलू उत्पादकों या ऐसे उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का एक भाग नहीं माना जाएगा। ”

15. अतः ऐसी स्थिति में जहाँ घरेलू उत्पादकों से संबंधित समग्र सूचना उपलब्ध नहीं है, वहाँ नियमानुसार प्राधिकारी द्वारा उन उत्पादकों पर विचार किया जाना अपेक्षित है जिनका सामूहिक उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है। अतः विधिक प्रावधानों और मौजूदा मामले के तथ्यों तथा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नियमावली के अनुसार वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ ट्रांसपैक सिलॉक्स इंडस्ट्री लि. और टीसीपी लि. को घरेलू उद्योग मानते हैं।

ड. पाटन निर्धारण

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

सामान्य मूल्य

16. चीन जन. गण. के घरेलू बाजारों में सोडियम हाइड्रोसल्फाइड की मौजूदा कीमतों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। ईयू में मौजूदा कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है जो कि ईयू में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री हेतु बीजक पर आधारित है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस पर विचार करने का अनुरोध किया गया है। वैकल्पिक रूप से उत्पादन लागत के अनुमानों पर आधारित सूचना भी उपलब्ध कराई गई है। प्राधिकारी उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करेंगे।

निर्यात कीमत

17. निर्यात कीमत का दावा (क) चीन के सीमाशुल्क विभाग में दर्ज कीमतों; अथवा (ख) भारतीय समाचार पत्र (इकोनॉमिक टाइम्स) में सूचित कीमतों के आधार पर किया गया है। इस संबंध में निम्नलिखित समाखेजनों का दावा किया गया है-

चीन का सीमाशुल्क विभाग	चीन के पत्तन पर व्यय, चीन में अंतर-देशीय भाड़ा, चीन के विक्रेता को वैट संबंधी हानि समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, चीन के पत्तन पर व्यय, चीन में अंतर-देशीय भाड़ा
डीजीसीआई एंड एस/आईबीआईएस	चीन के विक्रेता को वैट संबंधी हानि ➤ सीमाशुल्क, प्रतिसंतुलनकारी शुल्क, एसएडी, अंतर-देशीय भाड़ा, पहले आयातक का मार्जिन भाड़ा-मुंबई-दिल्ली, खुदरा विक्रेता मार्जिन, वैट
समाचार पत्र	➤ समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, चीन के पत्तन पर व्यय, चीन में अंतर-देशीय भाड़ा चीन के विक्रेता को वैट संबंधी हानि

ड.2 निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

18. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता अथवा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से निम्नलिखित अभिप्रेत है :

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान समान वस्तु हेतु तुलनीय कीमत, जब वह वस्तु निर्यातक देश अथवा भू-भाग में खपत हेतु उद्दिष्ट हो जैसाकि उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित है, अथवा

(ii) जब व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान निर्यातक देश अथवा भूभाग के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो अथवा जब निर्यातक देश या भूभाग के घरेलू बाजार में किसी विशिष्ट बाजार स्थिति अथवा कम मात्रा में बिक्री के कारण ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना संभव न हो, तब सामान्य मूल्य या तो

(क) निर्यातक देश अथवा भूभाग अथवा उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किसी समुचित तीसरे देश से निर्यात किए जाने के मामले में समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत होगा; अथवा

(ख) उप खण्ड (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ मूल्यता के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत ।

चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

20. जब तक उत्तरदाता निर्यातक द्वारा पाटनरोधी नियमों में निर्धारित प्रत्येक शर्त को पूरा नहीं कर लिया जाता तब तक प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । चूंकि चीन जन.गण. से किसी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर तथा निर्धारित ढंग से निर्धारित प्रपत्र में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए पाटनरोधी नियमों के अनुबंध । के पैरा 7 के अंतर्गत चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

21. प्राधिकारी ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इससे उच्च पाटन मार्जिन का निर्धारण होगा और यह चीनी कम्पनियों के लिए कम अनुकूल होगा । सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता द्वारा सुझाए गए अनुसार ई यू में कीमतों पर विचार नहीं किया है । इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक को निविष्टियों तथा लागत परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जिसमें सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ की विधिवत रूप से समायोजित किया गया है । तदनुसार कारखाना स्तर पर सामान्य मूल्य XXX प्रति मी.टन अमरीकी डालर निर्धारित किया गया है ।

निर्यात कीमत

22. चीन के सीमाशुल्क के आंकड़ों के आधार पर चीन से इस उत्पाद के निर्यातों के संबंध में याचिकाकर्ता ने सूचना उपलब्ध कराई है । ब्योरे निम्नानुसार हैं:

चीन-निर्यात-कुल

28311010 मात्रा के
डिजिओनाइट्स

रैंक	देश	-	किग्रा. अप्रैल 06 - मार्च 07	किग्रा. अप्रैल 07 - मार्च 08
0	-विश्व-	-	12,14,09,708	13,57,53,970
1	कनाडा	-	1,30,05,600	2,33,84,400
2	यू एस ए	-	67,50,200	86,42,700
	जापान			
3	-		1,01,11,240	1,12,25,515
4	ताईवान -		80,68,000	1,05,54,100
5	थाईलैंड	-	72,00,200	76,49,400

6	मेक्सिको -	42,99,450	69,24,600
7	इंडोनेशिया -	57,38,200	69,02,400
8	बंगलादेश -	56,16,900	32,63,500
9	ब्राजील -	49,27,300	42,59,100
10	भारत -	24,96,540	26,97,151
11	तुर्की -	58,00,600	50,42,700
12	न्यूजीलैंड -	38,95,000	28,44,000
13	दक्षिण अफ्रीका -	18,65,900	35,85,400
14	ऑस्ट्रेलिया -	40,03,500	35,81,800
15	पाकिस्तान -	38,17,415	40,93,150

आंकड़ा स्रोत: चीन सीमाशुल्क

मिलियन अम.डालर

रैंक	देश -	अप्रैल 86 - मार्च 87	अप्रैल 87 - मार्च 88
0	—विश्व— -	71.485456	101.497257
1	कनाडा -	8.257842	16.549694
2	यू एस ए -	4.186377	5.939690
3	जापान -	5.584125	7.749221
4	ताईवान -	4.539162	8.167958
5	थाईलैंड -	4.163094	6.068378
6	मेक्सिको -	2.445696	5.038722
7	इंडोनेशिया -	3.448146	5.527990
8	बंगलादेश -	3.367089	2.506854
9	ब्राजील -	2.793645	3.105163
10	भारत -	1.457694	2.037350
11	तुर्की -	2.971805	3.852445
12	न्यूजीलैंड -	2.339688	1.972764
13	दक्षिण अफ्रीका -	1.157395	2.702984
14	ऑस्ट्रेलिया -	2.426728	2.599444
15	पाकिस्तान -	2.143717	3.097229

आंकड़ा स्रोत: चीन सीमाशुल्क

कीमत मिलियन अम.डालर

रैंक	देश	अप्रैल 06 - मार्च 07	अप्रैल 07 - मार्च 80
0	—विश्व—	588.63	747.66
1	कनाडा	634.95	707.72
2	यू.एस.ए.	620.19	687.25
3	जापान	552.27	690.32
4	ताईवान -	562.61	773.91
5	थाईलैंड -	578.19	793.31
6	मेक्सिको -	568.84	727.66
7	इंडोनेशिया	600.91	800.88
8	बंगलादेश -	599.46	768.15
9	ब्राजील -	566.97	729.07
10	भारत -	583.89	755.37
11	तुर्की -	512.33	763.96
12	न्यूजीलैंड -	600.69	693.66
13	दक्षिण अफ्रीका	620.29	753.89
14	ऑस्ट्रेलिया -	606.15	725.74
15	पाकिस्तान	561.56	756.69

डी जी सी एण्ड आई एस के अनुसार जांच अवधि के दौरान 944.61 अम.डा. प्र.मी.टन के सी आई एफ कीमत पर 2311 मी.टन के आयात हुए थे ।

23. चीन जन.गण. से किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और न ही निर्धारित प्रपत्र में सूचना उपलब्ध कराई है । किसी भी हितबद्ध पक्ष ने कोई अन्य सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसे निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए उपयोग में लाया जा सके । याचिकाकर्ता ने साक्ष्य सहित यह बताया है कि वस्तु हेतु सीमाशुल्क से निकासी के लिए जो कीमत सूचित की गई है, वह उस कीमत से भिन्न है जिस पर यह वस्तु चीन से निर्यात की गई थी । चीन के उत्पादकों से सहयोग प्राप्त न होने तथा निर्धारित प्रपत्र में सूचना न होने के कारण प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने का प्रस्ताव किया है । तदनुसार भारत औसत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए भारत को चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों के लिए चीनी सीमाशुल्क द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर विश्वास किया गया है । चूंकि यह कीमत एफ ओ बी स्तर पर है इसलिए कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन खर्च तथा बैंक प्रचार को शामिल किया गया है । कारखाना निर्यात कीमत 755.37 अम.डा. प्रति मी.टन निर्धारित की गई है ।

विवरण	इकाई	कीमत/मी.टन
निर्यात कीमत एफ ओ बी	अम.डॉ./मी.टन	755.37
अंतर्देशीय भाड़ा - 1%	अम.डॉ./मी.टन	7.55
पत्तन खर्च - 0.5%	अम.डॉ./मी.टन	3.78
बैंक प्रभार - 0.5%	अम.डॉ./मी.टन	3.78
निवल निर्यात कीमत	अम.डॉ./मी.टन	740.26

पाटन मार्जिन

24. उपर्युक्त विवरण के अनुसार यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए जांच अवधि के दौरान भारत के कथित आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। पाटन मार्जिन XXX अम.डॉ. प्र.मी.टन या XXX अम.डॉ. प्र.मी.टन निर्धारित किया गया है।

विवरण	इकाई	कीमत/मी.टन
सामान्य मूल्य	अम.डॉ./मी.टन	***
निर्यात कीमत	अम.डॉ./मी.टन	740.26
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./मी.टन	***
पाटन मार्जिन %	%	50-60

क्षति

च.1 निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं इत्यादि के विचार

25. चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/आयातक से उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और न ही किसी निर्यातक द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध सहित वर्तमान जांच के किसी पहलू पर कोई तर्क दिया गया है।

च.2 घरेलू उद्योग के विचार

26. घरेलू उद्योग ने क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में कई तर्क दिए हैं जिनका सारांश नीचे दिया गया है। मुख्य तर्क यह है कि-

(क) घरेलू उद्योग ने मांग में वर्तमान और पूर्वानुमानित वृद्धि को देखते हुए वर्ष 2005-06 और उसके बाद वर्ष 2006-07 में क्षमता में वृद्धि की थी।

- (ख) क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के उत्पादन में वृद्धि हुई। तथापि, उत्पादन में हुई वृद्धि क्षमता में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत ही कम थी। अन्य शब्दों में याचिकाकर्ता अपनी उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करने से वंचित रह गया, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन क्षमता बेकार रही।
- (ग) क्षमता उपयोग में वर्ष 2006-07 तक लगातार गिरावट आई। यद्यपि 2007-08 में क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई, तथापि यह वृद्धि वर्ष 2004-05 और 2005-06 में हासिल स्तर से बहुत कम है।
- (घ) बिक्री की मात्रा में वृद्धि देखी गई। तथापि बिक्री में हुई वृद्धि, मांग में हुई वृद्धि से बहुत कम थी।
- (ङ.) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई और चीन के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई। ऐसी स्थिति में जबकि (क) पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई; (ख) तत्पश्चात पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से बाजार हिस्से में वृद्धि हुई (ग) चीन से पाटित आयातों में वृद्धि के कारण अब बाजार हिस्से में फिर गिरावट आई है, स्पष्ट निष्कर्ष यह है कि घरेलू उद्योग की क्षति के निवारण के लिए वर्तमान पाटनरोधी शुल्क अपर्याप्त है।
- (च) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता वर्ष 2004-05 में अत्यन्त प्रतिकूल थी। इसमें 2005-06 और फिर 2006-07 में वृद्धि हुई। तथापि 2007-08 के दौरान लाभप्रदता में पुनः वास्तविक गिरावट आई।
- (छ) जबकि घरेलू उद्योग ने कीमत निर्धारण के मानदण्ड के रूप में निविष्टि कीमतों और उत्पादन लागत पर विचार किया था, इसे विभिन्न स्रोतों से आयात कीमतों पर विचार करके तदनुसार उत्पादों की बिक्री करनी पड़ी। चीन जन.गण. से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। तथापि प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बावजूद कीमतें कटौती सकारात्मक होने के कारण आयात की मात्रा में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग पुनः ऐसी कीमतों की पेशकश पर विवश हो गया है, जिससे प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ।
- (ज) निवेश से आय और नकद लाभ की प्रवृत्ति वही देखी गई है, जो प्रवृत्ति लाभ की है। इसके अलावा ये दोनों मानदण्ड 2004-05 में नकारात्मक थे, जो 2005-06 में सकारात्मक हो गए और इनमें 2006-07 में और वृद्धि हुई। तथापि स्थिति में 2007-08 में फिर गिरावट आई।
- (झ) वर्ष 2006-07 तक मात्रा तथा कीमत संबंधी मानदण्डों के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक थी। तथापि यह कीमत संबंधी मानदण्ड के रूप में 2007-08 में नकारात्मक हो गई थी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 तथा नियमावली के अनुबंध-11 में निम्नलिखित दो बातों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है: (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा घरेलू बाजार में समान उत्पाद के लिए कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती।

28. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उस उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी आर्थिक कारकों एवं संकेतकों के मूल्यांकन को शामिल किया जाएगा, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश से आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक अथवा सम्भावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की सीमा; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार मजदूरी में वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं।"

29. प्राधिकारी ने क्षति की जांच के संबंध में प्रस्तुत तर्कों को नोट किया है और उठाए गए मुद्दों का यथास्थान विवेचन किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों एवं निवेदनों को ध्यान में रखते हुए क्षति से संबंधित मानदण्डों की वस्तुनिष्ठ जांच की है।

30. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा एवं प्रभाव तथा क्षति के अस्तित्व एवं पाटन व क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध की जांच के उद्देश्य से कीमतों और लाभप्रदता पर इनके प्रभाव की भी जांच की है। तदनुसार पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :-

(क) मांग का आकलन

31. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग के आकलन के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग (मैसर्स टीएसआईएल तथा टीसीपी) तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री की मात्रा को भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ा है, जिसका सारांश निम्नानुसार है :-

यूनिट सी.टन में	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जाँच अवधि)
घरेलू उद्योग की बिक्री	19560	20736	22765	23567
समर्थक की बिक्री	4454	4980	3397	4911
अन्य भारतीय उत्पादों की बिक्री	7501	9022	8596	8000
कुल आयात	1365	987	3925	4422
मांग	32880	35725	38683	40900

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई है और क्षति अवधि के दौरान इसमें वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 24% की वृद्धि हुई।

(ख) आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्से

32. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, यह जांच की गई है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित प्रावधान है :-

'पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष अत्यधिक वृद्धि हुई है

33. प्राधिकारी ने केवल डीजीसीआई एंड एस स्रोत के आधार पर आयातों की मात्रा का निर्धारण किया है।

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
आयात (इकाई मी.टन में)				
चीन जन.गण. - संबद्ध देश	765	545	2075	2311
अन्य देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	222	338	1469	1678
अन्य देश	378	103	380	433
कुल आयात	1365	987	3925	4422
% के रूप में आयातों में बाजार हिस्सा				
चीन जन.गण. - संबद्ध देश	56.01	55.29	52.88	52.27
अन्य देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	16.29	34.26	37.44	37.95
अन्य देश	27.69	10.44	9.68	9.78
मांग मी.टन में	32880	35725	38683	40900
% के रूप में मांग में बाजार हिस्सा				
घरेलू उद्योग	59.49	58.04	58.85	57.62
समर्थक	13.55	13.94	8.78	12.01
अन्य उत्पादक	22.81	25.25	22.22	19.56
भारतीय उद्योग	95.85	97.24	89.85	89.19
चीन जन.गण. - (संबद्ध देश)	2.33	1.53	5.37	5.65
अन्य देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	0.68	0.95	3.80	4.10
अन्य देश	1.15	0.29	0.98	1.06
भारतीय उद्योग का उत्पादन	34578	36172	35736	38541
भारतीय उद्योग के उत्पादन के सापेक्ष पाटित आयातों का %				
चीन जन.गण. - संबद्ध देश	2.21	1.51	5.81	6.00
अन्य देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	0.64	0.93	4.11	4.35
अन्य देश	1.09	0.28	1.06	1.12

34. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने देखा है कि :-

(क) चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा में वर्ष 2005-06 को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से तथा सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है।

(ख) सम्बद्ध आयातों की मांग का बाजार हिस्सा, जो 2004-05 के दौरान केवल 2.33% था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 5.65% हो गया। साथ ही, अन्य देशों, जिन पर पाटनरोधी शुल्क पहले से लागू है, के

हिस्से में भी इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का हिस्सा, जो वर्ष 2004-05 के दौरान 59.49% था, जांच अवधि के दौरान घटकर 57.62% रह गया।

(ग) भारत में उत्पादन के सापेक्ष सम्बद्ध देशों से हुए आयात में 2005-06 के दौरान गिरावट आई, परंतु इसके बाद इसमें वृद्धि हुई और यह 2004-05 में 2.21% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 6% के स्तर पर पहुँच गया।

(घ) सम्बद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगा होने के बावजूद आयातों निरपेक्ष रूप में तथा भारत में उत्पादन तथा खपत के सापेक्ष वृद्धि हुई है।

35. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी का अभिमत है कि सम्बद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगा होने के बावजूद आयातों निरपेक्ष रूप में तथा भारत में उत्पादन तथा खपत के सापेक्ष वृद्धि हुई है।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव वृद्धि

36. संबद्ध देशों से हुए आयातों के कीमत प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :-

सीआईएफ निर्यात कीमत रुपये/मी.टन	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
सम्बद्ध देशों से निर्यात	25024	22633	37349	38493
अन्य देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	34392	42946	42340	38267
सभी आयात	26206	29690	37596	37001
निवल बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में हुई घट-बढ़ भारत में आयात कीमत के अनुरूप थी यह भी नोट किया जाता है कि अन्य देशों, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, और सम्बद्ध देश के बीच कीमत अन्तर वर्ष 2004-05 और 2005-06 के दौरान अधिक था, अतः सम्बद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा कम रही। तथापि जांच अवधि में कीमत अन्तर घट जाने के कारण सम्बद्ध आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई।

कीमत कटौती

38. पाटित आयातों के कारण हुई कीमत कटौती का अभिनिश्चयन करने के उद्देश्य से प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों की पहुँच कीमत से की गई। निवल बिक्री प्राप्ति सभी रिबेटों तथा करों को घटाकर ज्ञात की गई। आयातों के पहुँच मूल्य की गणना सम्बद्ध आयातों के सीआईएफ मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क जोड़ कर की गयी। आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की गई और यह पाया गया कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जाँच अवधि)
सीआईएफ निर्यात कीमत				
चीन जन.गण. सम्बद्ध देश	25024	22633	37849	38493
अन्य देश, जिन पर शुल्क लागू है	34392	42946	42340	38267
सीमाशुल्क	20%	15%	11.25%	7.5%
आयातों की पहुँच कीमत				
सम्बद्ध देश	30329	26288	41967	41793
अन्य देश, जिन पर शुल्क लागू है	41684	49881	47574	41549
निवल बिक्री प्राप्ति (रुपये/मी.टन)	***	***	***	***
बिक्री कीमत (रुपये/मी.टन)	***	***	***	***
कीमत कटौती कीमत रुपये/मी.टन				
चीन जन.गण. से निर्यात	***	***	***	***
अन्य देश, जिन पर शुल्क लागू है	***	***	***	***
कीमत कटौती कीमत (%)				
चीन जन.गण. से निर्यात	20-30	30-40	0-10	0-10
अन्य देश, जिन पर शुल्क लागू है	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक	0-10
क्षति रहित कीमत रुपये/मी.टन				***

39. यह देखा गया है कि चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण जाँच अवधि और उसके पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है। यह भी देखा गया कि जाँच अवधि के दौरान अन्य देशों, जिन पर अभी पाटनरोधी शुल्क लागू है, से कीमत कटौती अत्यधिक सकारात्मक थी।

40. कीमत ह्रास/अवमूल्यन

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जाँच अवधि)
बिक्री कीमत	रुपये/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	113	115
बिक्री की लागत	रुपये/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	96	110

यह आकलन करने के लिए कि क्या सम्बद्ध देशों के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत ह्रास/अवमूल्यन हो रहा है, प्राधिकारी द्वारा बिक्री कीमतों एवं उत्पादन लागत की प्रवृत्तियों की तुलना की गई, जिसका ब्यौरा उपर्युक्त तालिका में दिया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई। तथापि वर्तमान जाँच अवधि के दौरान जब पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में चीन जन.गण. से आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई, बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से कम थी।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानक

41. ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच अपेक्षित है। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में निम्नों में आगे यह प्रावधान किया गया है कि घरेलू उद्योग पर फटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता में वास्तविक तथा संभावित गिरावट, निवेश पर आय अथवा क्षमता का उपयोग; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, वस्तु सूचियों, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश करने की क्षमता को प्रभावित करने वाले वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव सहित उन सभी संगत आर्थिक कारकों तथा संकेतकों का वास्तविक तथा निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए जो उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं।

उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

42. घरेलू उद्योग (पी 0 टी एस आई एल तथा टी सी पी) के उत्पादन, बिक्री, क्षमता तथा क्षमता उपयोग में हुए परिवर्तन निम्नानुसार हैं

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
क्षमता	मी. टन	24000	25625	30500	30500
उत्पादन	मी. टन	21831	22241	24038	26026
घरेलू बिक्रियां	मी. टन	19560	20736	22765	23567
क्षमता उपयोग	%	91	87	79	85
अप्रयुक्त क्षमता	मी. टन	2169	3384	8462	4474

यह देखा गया है कि अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि हुई थी जबकि क्षमता उपयोग में गिरावट आई थी। अतः पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के पश्चात घरेलू उद्योग अपनी मात्राओं में सुधार करने में समर्थ रहा है। तथापि, यह पाया गया है कि आयात मात्राओं में तदनन्तर वृद्धि से उत्पादन, बिक्री में आगे और वृद्धि में बाधा उत्पन्न हुई है। परिणामस्वरूप, क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

43. लाभ, लगाई पूंजी पर आय तथा नकद प्रवाह

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
लाभ/(हानि) प्रति इकाई	रुपये/मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	89	123	-50
लाभ/(हानि) (कर पूर्व लाभ)	रुपये/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	94	143	-60
लाभ/(हानि) (पी बी आई टी)	रुपये/लाख	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-146	-216	28
निवेश पर आय (एन एफ ए)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-108	-143	22
नकद लाभ	रुपये/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-145	-230	19
चीन जन.गण. से आयात मात्रा	मी. टन	765	545	2075	2311

घरेलू उद्योग के लाभ में वर्ष 2004-05, जो चीन निर्णायक समीक्षा मामले में जांच अवधि है, तक गिरावट प्रदर्शित हुई थी। तत्पश्चात आयात मात्राओं में गिरावट के बाद लाभ में सुधार हुआ था। तथापि आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ वर्तमान जांच अवधि में लाभ प्रदत्ता में पुनः गिरावट आई है।

44. वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग को कम आय प्राप्त हुई थी जो वर्ष 2004-05 में नकारात्मक हो गई। घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 में निवेशों पर आय में उल्लेखनीय सुधार कर सकता था। तथापि जांच अवधि के दौरान आयातों में पुनः वृद्धि के परिणामस्वरूप लाभ में गिरावट के साथ जांच अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई थी। किसी भी स्थिति में निवेशों पर आय उचित स्तर से काफी कम रही थी।

45. सभी घरेलू उत्पादक, बहु उत्पाद कंपनियां हैं तथा कंपनी के नकद प्रवाह की स्थिति, संबद्ध उत्पाद की स्थिति का संकेतक नहीं होगी। अतः प्राधिकारी ने वर्षों के दौरान हुए नकद लाभ की जांच की है तथा वह ऊपर उल्लिखितानुसार है। नकद प्रवाह के संबंध में स्थिति की प्रवृत्ति, लाभों तथा निवेश पर आय की प्रवृत्ति के समान है। वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह में कमी आई जो वर्ष 2004-05 में नकारात्मक हो गई। घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 में अपने नकद प्रवाह में उल्लेखनीय सुधार कर सकता था तथापि आयातों में पुनः वृद्धि के परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान नकद लाभ में गिरावट आई थी।

46. रोजगार, वेतन तथा उत्पादकता

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
वेतन	रुपये/लाख	***	***	***	***
उत्पादकता	मी टन/व्यक्ति	***	***	***	***

प्राधिकारी ने पाया है कि रोजगार के स्तर में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है। वेतन में सामान्य वृद्धि प्रदर्शित हुई है। प्रति कर्मचारी उत्पादन के संदर्भ में व्यक्ति उत्पादकता में कुछ सुधार प्रदर्शित हुआ है।

वस्तु सूची

47. घरेलू उद्योग में तैयार उत्पादों के औसत स्टॉक में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	87.71	96.61	86.24
उन दिनों की संख्या जितने दिनों की बिक्री हेतु स्टॉक में माल उपलब्ध है।	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	82.74	83.01	71.58

वृद्धि

48. जांच अवधि के दौरान बड़ी मात्रा में क्षति मानदण्डों में प्रतिकूल प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। यद्यपि वर्ष 2005-06 में काफी अधिक सुधार एवं सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई थी तथापि वह उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा वस्तु सूचियों के संबंध में सकारात्मक होने के बावजूद अनेक मानदण्डों के संबंध में पुनः नकारात्मक हो गई थी।

छ. अंतिम जांच परिणाम

49. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना तथा किए गए निवेदनों के मद्देनजर तथा वर्तमान एवं संभावित पाटन तथा क्षति और पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना के विश्लेषण के आधार पर तथा हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए निवेदनों के जरिए अथवा उपर्युक्त जांच परिणामों में अन्यथा रिकॉर्ड किए गए तथ्यों के अनुसार प्राथिरी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

(i) संबद्ध वस्तुएं, पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में आ रही है तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं का पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है।

(ii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा के दौरान, शुल्क की सिफारिश संदर्भ कीमत के रूप में की गई थी। घरेलू उद्योग का यह तर्क रहा है कि यह उत्पाद निर्णायक समीक्षा के दौरान सिफारिश की गई कीमतों के आस-पास की कीमतों पर ही पहुँचता रहा है तथा शुल्क निर्धारित स्वरूप में होना चाहिए। निर्यात कीमत के संबंध में जैसाकि प्रकटन विवरण के पैरा 22/23 में नोट किया गया है, याचिकाकर्ता ने इस बात पर जोर दिया है (डी जी सी आई एंड एस सूचना तथा चीन के सीमाशुल्क संबंधी आंकड़ों के आधार पर) कि वस्तु हेतु वे कीमतें जिन्हें सीमाशुल्क निकासी (भारत में) के लिए सूचित किया गया है, वे कीमतें नहीं हैं जिन पर वस्तुओं को चीन से निर्यात किया गया है। डी जी सी आई एंड एस आँकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान 944.61 अम डॉ/मी.टन की सी आई एफ कीमत पर 2311 मी.टन के आयात हुए थे जबकि चीन के सीमाशुल्क में एफ ओ बी निर्यात कीमत 755.37 अम डॉ/मी.टन प्रदर्शित हुई है।

समुद्री भाड़ा, बीमा तथा अन्य व्ययों हेतु समायोजन करने के पश्चात् भी सौ आम डॉ. का अंतर शेष बचता है। अतः घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया था कि बेंचमार्क कीमत की बहाली करने के लिए ही अधिकांश आयातों की पहुँच कीमत भी उसी के अनुरूप रखी गई थी। इस स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि संदर्भ कीमत के स्वरूप में शुल्क से अपेक्षित सहित प्राप्त नहीं हो सकी है।

(iii) यद्यपि घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि हुई है तथा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता कम नकारात्मक हुई है तथापि पाटित कीमतों पर आयात मात्रा में अत्यधिक वृद्धि के परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती तथा कीमत हास हुआ है। घरेलू उद्योग की स्थिति संवेदनशील बनी हुई है तथा संबद्ध देश से पाटित आयातों के जारी रहने से घरेलू उद्योग को लगातार अत्यधिक क्षति हो रही है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिया जाता है तो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के जारी रहने तथा उसके बढ़ने की संभावना है।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

50. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू रहने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन के कारण मिलने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की अवनति से बचाव हो सकेगा तथा संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए चुनाव हेतु व्यापक रेंज उपलब्ध हो सकेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होंगे अतः उपभोक्ताओं हेतु उत्पादों की उपलब्धता भी प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता तब भी दो अथवा अधिक स्रोतों से आपूर्ति प्राप्त कर सकेंगे।

51. सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होंगे अतः उपभोक्ताओं हेतु उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

झ. सिफारिशें

52. इस निष्कर्ष पर पहुँचने के पश्चात् कि घरेलू उद्योग की स्थिति संवेदनशील बनी हुई है तथा यदि शुल्क हटा लिया जाए तो चीन जन.गण. से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा बढ़ जाने की संभावना है; प्राधिकारी का मत यह है कि लागू किए गए उपाय में विस्तार करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त पहुँच कीमत को निर्णायक समीक्षा में सिफारिश की गई संदर्भ कीमत के समनुसार निर्धारित किए जाने के मद्देनजर प्राधिकारी निर्धारित स्वरूप में शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं।

53. वर्तमान पाटन तथा उसके जारी रखने की संभावना की जांच करने के पश्चात, प्राधिकारी दिनांक 07/09/2006 के भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग - I, खण्ड - I में प्रकाशित दिनांक 06/09/2006 के अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना सं० 15/10/2006-डी जी ए डी के अनुसार तथा दिनांक 16/10/2006 की केन्द्र सरकार की अधिसूचना सं० 108/2006-सीमाशुल्क द्वारा अधिसूचित तालिका के कॉलम (9) में समनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट मुद्रा में तथा कॉलम (10) की समनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट मुद्रा में तथा कॉलम (10) की समनुसूची प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट माप की इकाई के अनुसार लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हैं:

शुल्क तालिका									
क्र.सं.	टैरिफ मद	मात्रा का विवरण	विनिर्देशन	उत्पन्न का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अम. डॉ. में)	माप की इकाई/मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2831 तथा 2832	सोडियम हाइड्रो सल्फाइड	सभी ग्रेड	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	372.19	मी/अम डॉ.
2.	2831 तथा 2832	सोडियम हाइड्रो सल्फाइड	सभी ग्रेड	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	372.19	मी/अम डॉ.

54. केन्द्र सरकार के इस आदेश के अंतर्गत की गई इस सिफारिश के विरुद्ध कोई अपील, अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st August, 2009

FINAL FINDINGS

Subject : Mid-term anti-dumping Review Investigations in the matter relating to Sodium Hydrosulphite originating in or exported from China PR.

No. 15/21/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of Sodium Hydrosulphite (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (referred to as subject country) falling under Sub-heading 2831.10.10 and 2832.10.20. The preliminary findings were published vide Notification No 39/1/2000-DGAD dated 2/1/2001 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 28/2001-Customs dated 12th March 2001. The Designated Authority came out with final findings on 13th September 2001 vide notification no 39/1/2000-DGAD and definitive anti dumping duty was imposed by Customs as per notification No. 114/2001-Customs dated 2nd November.2001.

2. The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Sodium Hydrosulphite (SHS) originating in or exported from China PR vide notification No. 15/16/2005-DGAD dated October 5, 2005 in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. While extending anti dumping duties for a further period of five years in the sunset review, the form of duty was modified from fixed to variable in the form of reference price. The final findings in the sunset review investigation were issued vide notification no 15/16/2005 – DGAD on 06.09.06 and anti dumping duty in the form of reference price was imposed by Customs as per notification No. 108/2006-Customs dated 16.10.2006.

3. The domestic industry made a request for review of antidumping duty based on the reference price (as imposed after the sunset review). The applicants claimed that the duty was modified from fixed duty to variable duty in the sunset review. However, the prices of the raw material increased significantly after the period of the review, resulting in increase in the cost of production and the non injurious price of the domestic industry. Import prices of the subject product from China PR have not moved in proportion to the increases in the input prices, justifying the need for review of anti dumping duty based on the reference price. The request to this effect have been made by the Domestic Industry comprising of M/s Transpek Silox Industry Ltd (TSIL) and supported by M/s Demosha Chemicals Pvt Ltd and M/s TCP Ltd.

4. Having satisfied on the basis of the positive evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Authority initiated mid-term review vide notification No.15/21/2008 -DGAD dated 01.10.2008 in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules.

B. PROCEDURE

5. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

i) After initiation of the review investigation, the Authority notified the domestic industry, all known exporters/producers in the subject country and known importers, calling for questionnaire responses and necessary information in accordance with Rule 6(4).

ii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

iii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from China PR.

S.N.	Company's Name
1.	Jinhe Sodium Hydrosulfite Factory Co., Ltd
2.	Guangdong Zhongcheng Chemicals Co., Ltd.
3.	Hainan Zhongxin Chemical Co., Ltd.
4.	Jinhe Sodium Hydrosulfite Factory Co., Ltd.
5.	Jiangsu Yongpin Co., Ltd.
6.	Zhejiang Huidelong Chemical Co., Ltd.
7.	Zhejiang Runtu Co., Ltd.
8.	Anhui Chloro Alkali Chemical Group Co., Ltd

iv) None of these exporters responded to the questionnaire in response to the above notification.

v) The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April 2007 to 31st March, 2008 (POI). However, injury analysis covered the periods April 2004-March 2005, April 2005-March 2006, April 2006-March 2007 and the POI.

vi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations. Information has been received from the DGCI&S. The information about exports from China, based on China Customs data have also been provided by the petitioners.

vii) The following domestic producers of the subject goods have provided their cost and injury information for investigation.

- M/s Transpek-Silox Industry Ltd. (TSIL)
- M/s TCP Ltd.

viii) A copy of initiation notification along with the importers questionnaire was also sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4)

S.N.	Company's Name
1.	Morarjee Breman Ltd.
2.	Modern Denim
3.	S. Kumars Ltd.
4.	Orchid Chemicals & Pharmaceuticals Ltd.
5.	Madura Coats Limited
6.	Mafatlal Burlington Ind. Ltd.
7.	GSI (India) Limited
8.	Gianchand Ramji Dass
9.	Raymond Denim Ltd.
10.	Reliance Textile Industries, Ltd.
11.	Birla VXL Limited
12.	Welspun Terry Towels (A Unit of Welspun Indian Ltd.)
13.	Andhra Pradesh Paper Mills Ltd., Unit – CP

In response to the above notification, none of the importers or users has filed response to the questionnaire.

ix) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

x) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xi) In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 3rd July 2009. Only the domestic industry and an importer participated in the aforesaid hearing. The parties were requested to file written submissions of the views expressed orally. The written submissions have been filed by the domestic industry only.

xii) In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties by issuing a disclosure statement on 28th July 2009.

xiii) Only the Domestic Industry has responded to the Disclosure Statement and submitted as follows:

- a) Product under consideration continues to be dumped in to India by China.
- b) Domestic Industry has suffered continued material injury.
- c) The material injury has intensified further.
- d) Injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from various sources.
- e) Significant dumping and injury margins exist inspite of current levels of anti dumping duties.
- f) Anti dumping duties are required to be enhanced further .
- g) The duties may be expressed in US\$.

xiii) The Authority kept available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties.

xiv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been

considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

xvi) **** In this finding represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

xvii) The exchange rate of US\$/ Rs has been adopted as Rs 40.75=1US\$ for the purpose of this POI.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Views of the Domestic Industry

6. Following issues raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

(i) Present review investigation is a mid-term review investigation; product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations.

(ii) There is no material change or development in the product characteristics between the original investigation and product being produced and sold world-over at present..

(iii) The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product. The issue of product under consideration and like article was examined in detail by the Designated Authority in the original investigations and is required to be confirmed.

C.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

7. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration and like articles.

C.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

8. The product under consideration in the present investigations is Sodium Hydrosulphite (also referred to as subject goods hereinafter). The product under

consideration is also known by a number of alternate names, which includes Hydrosulphite Concentrate, Sodium Dithionite or Sodium Hydrosulfite.

9. Sodium Hydrosulphite is a white or grayish crystalline powder, free from visible foreign particles with pungent odour. It has been imported under Chapter 28 of the Customs Tariff Act. Though the classifications sub-headings 2831.1010 and 2832.1020 suggest description as Sodium Hydrosulphite but correct Custom classification may be treated under 6 digit heading 2831.10 as Sodium Sulphites. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The Authority notes that the investigation covers all forms of Sodium Hydrosulphite within the scope of the product under consideration.

10. There is no significant difference in Sodium Hydrosulphite produced by the Indian industry and Sodium Hydrosulphite exported from China PR, which can have an impact on price. Sodium Hydrosulphite produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Sodium Hydrosulphite produced by the domestic industry and imported from China PR is being treated as like article in accordance with the anti dumping Rules. The authority therefore confirms the product under consideration as above.

D. Domestic Industry

D.1 Views of the domestic industry

11. (i) There are four producers of subject product in India. The Petition for review, enhancement and modification in the form of anti dumping was filed by M/s. Transpek Silox Industry. Other three producers M/s. Demosha Chemicals, M/s T C P Limited and M/s Gulshan Chemicals Ltd. have supported the petition. Domestic industry submits that the petition is supported by 100% of Indian Producers and therefore, petition satisfies the requirement of standing within the meaning of the anti dumping rules.

(ii) Subsequent to initiation, M/s TCP Ltd. has provided injury information. Thus, the Authority has information for "*a major proportion*" in Indian production. The petitioner should therefore be treated as "domestic industry" within the meaning of the Rules.

D.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

12. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to "domestic industry"

D.2 Examination by the authority

13. There are four producers of the subject product in India, namely M/s Transpek Silox Industry Ltd., Demosha Chemicals Pvt. Ltd., TCP Ltd. and Gulshan Chemicals Ltd. Petition for review, enhancement and modification in the form of anti dumping duty was filed by Transpek Silox Industry Ltd. and supported by Demosha Chemicals Pvt. Ltd. and TCP Ltd. M/s Gulshan Chemicals Ltd. supported the petition later on. Subsequent to initiation, TCP Ltd., provided all relevant information with regard to injury and costing. The Authority directed M/s Demosha Chemicals Pvt. Ltd. and Gulshan Chemicals Ltd. to provide relevant information regarding injury and costing. However, no information has been provided by these companies. The production of M/s Transpek Silox Industry Ltd. and TCP Ltd. command more than 50% share in Indian production.

14. Rule 2(b) under the Rules provides as follows:-

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case [such producers may be deemed] not to form part of domestic industry"

15. Thus, in a situation where information with regard to domestic producers as a whole is not available, the Rules require the Authority to consider those producers whose collective output constitutes a major proportion of the total domestic production. Therefore, having regard to the legal provisions and facts & circumstances of the present case, the Authority considers that Transpek Silox Industry Ltd., and TCP Ltd. constitute domestic industry for the purpose of the present investigations within the meaning of the Rules.

E. DUMPING DETERMINATION

E.1 Views of the domestic industry

Normal Value

16. Efforts were made to obtain information about the prices of Sodium Hydrosulphite prevailing in the domestic markets of China PR. The evidence of normal value has been provided on the basis of prices prevailing in the EU, based on invoices for sale of the product under consideration in the EU. The Designated Authority is requested to kindly consider the same. In the alternate, the information based on estimates of cost of production has also been provided. The Authority may determine normal value on the basis of cost of production.

Export Price

17. The export price has been claimed on the basis of either (a) the prices reported in China Customs; or (b) prices reported in the Indian newspaper (Economic Times). The following adjustments have been claimed in this regard –

China customs China port expenses, China inland freight, VAT loss to Chinese seller,

Sea freight, marine insurance, China port expenses, China inland freight,

DGCIS/IBIS VAT loss to Chinese seller,

➤ Customs duty, Countervailing duty, SAD, Inland freight, Margin of first importer

Freight - Mumbai-Delhi, Retailer margin, VAT

Newspaper

➤ Sea freight, marine insurance, China port expenses, China inland freight,

VAT loss to Chinese seller,

E.2 View of exporters/importers and other interested parties

18. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to export price, normal value and determination of dumping margin

E.3 Examination by the Authority

19. Under section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Normal Value in China PR

20. The Authority has treated China as non-market economy unless the responding exporters satisfy each & every of the conditions prescribed in the Anti-dumping Rules. Since none of the exporter from China PR responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed, the Authority has determined the Normal Value in respect of China PR under para 7 of Annexure I of Anti-dumping Rules, considering China PR as non-market economy.

21. The Authority has not considered the prices in EU as suggested by the petitioner for determination of Normal Value in view of the fact that the same would lead to determination of higher dumping margin and would be less favorable to Chinese companies. The Authority has therefore determined the normal value in China PR based on international prices of inputs and conversion cost of one of the domestic producer, duly adjusted for selling, general & administrative expenses and reasonable profit. Accordingly, the normal value at ex-factory level has been worked as US\$ *** per MT.

Export price

22. The petitioner has provided the information in respect of exports made of this product from China based on the data of China Customs. The details are as follows:

China - Exports -Total-
28311010 Dithionites
Of
Quantity

Rank	Country	KG Apr 06-Mar 07	KG Apr 07-Mar 08
0	-World-	12,14,09,708	13,57,53,970
1	Canada	1,30,05,600	2,33,84,400
2	United States	67,50,200	86,42,700
3	Japan	1,01,11,240	1,12,25,515
4	Taiwan	80,68,000	1,05,54,100
5	Thailand	72,00,200	76,49,400
6	Mexico	42,99,450	69,24,600
7	Indonesia	57,38,200	69,02,400

8	Bangladesh	-	56,16,900	32,63,500
9	Brazil	-	49,27,300	42,59,100
10	India	-	24,96,540	26,97,151
11	Turkey	-	58,00,600	50,42,700
12	New Zealand	-	38,95,000	28,44,000
13	South Africa	-	18,65,900	35,85,400
14	Australia	-	40,03,500	35,81,800
15	Pakistan	-	38,17,415	40,93,150

Source of data: China Customs

Millions of US
Dollars

Rank	Country	-	Apr 06-Mar 07	Apr 07-Mar 08
0	—World—	-	71.465456	101.497257
1	Canada	-	8.257842	16.549694
2	United States	-	4.186377	5.939690
3	Japan	-	5.584125	7.749221
4	Taiwan	-	4.539162	8.167958
5	Thailand	-	4.163094	6.068378
6	Mexico	-	2.445696	5.038722
7	Indonesia	-	3.448146	5.527990
8	Bangladesh	-	3.367089	2.506854
9	Brazil	-	2.793645	3.105163
10	India	-	1.457694	2.037350
11	Turkey	-	2.971805	3.852445
12	New Zealand	-	2.339688	1.972764
13	South Africa	-	1.157395	2.702984
14	Australia	-	2.426728	2.599444
15	Pakistan	-	2.143717	3.097229

Source of data: China Customs

Rank	Country	Price US\$ per Mt	
		Apr 06-Mar 07	Apr 07-Mar 08
0	--World--	588.63	747.66
1	Canada	634.95	707.72
2	United States	620.19	687.25
3	Japan	552.27	690.32
4	Taiwan	562.61	773.91
5	Thailand	578.19	793.31
6	Mexico	568.84	727.66
7	Indonesia	600.91	800.88
8	Bangladesh	599.46	768.15
9	Brazil	566.97	729.07
10	India	583.89	755.37
11	Turkey	512.33	763.96
12	New Zealand	600.69	693.66
13	South Africa	620.29	753.89
14	Australia	606.15	725.74
15	Pakistan	561.56	756.69

As per DGC&IS, the imports during POI were 2311 MT at CIF price of US \$ 944.61 per MT.

23. None of the exporter from China PR responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. None of the other interested parties have provided any other information which can be used for determination of export price. The Petitioner has shown with evidence that the prices at which the material has been reported for customs clearance are not the prices at which the goods have been exported from China. In absence of cooperation from Chinese producers and information in the prescribed format, the Authority proposes to rely upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the export price. Accordingly, the data reported by the China Customs for exports of the product under consideration from China PR to India has been relied upon to determine weighted average export price. Since this price is at FOB level, adjustments have been made on account of inland freight, port expenses and bank charges to determine ex-factory

export price. The ex-factory export price has been determined as at US\$ 755.37 per MT.

Particulars	Unit	Price/MT
Export Price FOB	USD/MT	755.37
Inland Freight - 1%	USD/MT	7.55
Port Expenses - 0.5%	USD/MT	3.78
Bank Charges - 0.5%	USD/MT	3.78
Net Export Price	USD/MT	740.26

Dumping margin

24. Considering the normal value and export price determined as detailed above, dumping margin has been determined in respect of imports reported in India during the investigation period. The dumping margin has been determined as US\$*** Per MT or ***

Particulars	Unit	Price/MT
Normal Value	US\$/MT	***
Export Price	US\$/MT	740.26
Dumping Margin	US\$/MT	***
Dumping Margin %	%	50-60

F. Injury

F.1 Views of exporters, importers, users etc

25. There has been no response from any producer/exporter in China PR. Nor has any arguments been advanced on any aspect of the present investigations, including on injury & causal link from any exporters.

F.2 Views of the domestic industry

26. The domestic industry has raised a number of arguments with regard to injury and causal link, which are summarized below. The main arguments are that

- (a) The domestic industry added capacity in 2005-06 and thereafter in 2006-07 in response to present and anticipated increase in demand.

- (b) Production of the petitioner increased over the injury period. However, increase in production was far lower than increase in capacity. In other words, petitioner has been prevented from utilizing its production capacities, resulting in idling of production capacities.
- (c) Capacity utilization continuously declined upto 2006-07. Even though capacity utilization increased in 2007-08, the increase is still below the levels registered in 2004-05 and 2005-06.
- (d) Sales volumes show an improvement. However, the increase in sales was far lower than the increase in demand.
- (e) Market share of the domestic industry declined and that of China increased even after imposition of anti dumping duties. In a situation where (a) the market share of the domestic industry declined due to presence of dumped imports; (b) the market share increased thereafter with the imposition of anti dumping duties; (c) the market share has now once again declined with the increase in dumped Chinese imports, the only inescapable conclusion is that the present anti dumping duties are inadequate to address the injury to the domestic industry.
- (f) Profitability of the domestic industry was quite adverse in 2004-05. The improved in 2005-06 and thereafter in 2006-07. Profitability has however once again deteriorated materially in 2007-08.
- (g) Whereas the domestic industry considers changes in input prices & cost of production as a parameter for pricing, it is forced to consider import prices from various sources and sell the product accordingly. The imports from China PR are undercutting the prices of the domestic industry. However, with price undercutting becoming positive inspite of present anti dumping duty in proposed investigation period and with consequent increase in import volumes, the domestic industry was forced to once again offer such prices that the domestic industry suffered financial losses in the proposed investigation period.
- (h) Return on investments and cash profits shows the same trend as that of profits. Further, both these parameters were negative in 2004-05, became positive in 2005-06 and improved further in 2006-07. However, the position once again deteriorated in 2007-08.
- (i) Growth of the domestic industry was positive in terms of volume and price parameters till 2006-07. The same however became negative in terms of price parameters in 2007-08.

Examination by the Authority

27. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been

significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

28. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

29. The Authority has taken note of the arguments on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.

30. For the purpose of current injury analysis the authority has examined the volume and prices effects of dumped imports of the subject goods from the subject country on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any. Accordingly the volume and price effects of dumped imports have been examined as follows:

a) Assessment of Demand

31. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the product under consideration, the Authority added the sales volume of the domestic industry (M/s TSIL and TCP) and other Indian producers to the total imports into India, which has been summarized as under:

Unit in MT	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Sales of domestic industry	19580	20736	22765	23567
Sales of supporter	4454	4990	3397	4911
Sales of Other Indian Producers	7501	9822	8596	8000
Total Imports	1385	987	3925	4422
Demand	32920	35725	39683	40900

The Authority notes that the demand has shown a positive trend and grew over the injury period. The growth in demand during period of investigation over base year was about 24%

b) Import volumes and market share

32. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure-II (ii) of the Anti-dumping rules provides as under :-

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India"

33. The Authority has determined the volume of imports based on only DGCI&S source.

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Imports (Unit in Mt)				
China PR - Subject Country	765	545	2075	2311
Other countries attracting ADD	222	338	1469	1678
Other countries	378	103	380	433
Total imports	1365	987	3925	4422
Market share in imports as %				
China PR - Subject Country	56.01	55.29	52.88	52.27
Other countries attracting ADD	16.29	34.26	37.44	37.95
Other countries	27.69	10.44	9.68	9.78
Demand in Mt	32880	35725	38683	40900
Market share in demand as %				
Domestic Industry	59.49	58.04	58.85	57.62
Supporter	13.55	13.94	8.78	12.01
Other producers	22.81	25.25	22.22	19.56
Indian Industry	95.85	97.24	89.85	89.19
China PR (Subject country)	2.33	1.53	5.37	5.65
Other countries attracting ADD	0.68	0.95	3.80	4.10
Other Countries	1.15	0.29	0.98	1.06
Production of Indian Industry.	34578	36172	35736	38541
Dumped imports in relation to production of Indian Industry as %				
China PR (Subject country)	2.21	1.51	5.81	6.00
Other countries attracting ADD	0.64	0.93	4.11	4.35
Other Countries	1.09	0.28	1.06	1.12

34. From the above, the Authority observes that

- a) The volume of dumped imports from China PR has increased significantly both in absolute and relative terms over the injury period except 2005-06.
- b) The market share in demand in respect of subject imports, which was only 2.33% during 2004-05 reached to level of 5.65% in the period of investigation. At the same time, share of other countries, which are already attracting anti dumping duties has also increased over this period. As a result, share of domestic industry, which was 59.49% during 2004-05 declined to 57.62% during POI.
- c) The import from subject countries in relation to Indian production declined in 2005-06 but went up thereafter and reached to a level of 6% during period of investigation as compared to 2.21% during 2004-05.
- d) Even when the subject imports are attracting anti dumping duties, the imports have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India.

35. Based on above, the Authority observes that even when the subject imports are attracting anti dumping duties, the imports have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India.

Price effect of the dumped imports on the Domestic Industry

36. The price effect of imports from the subject country has been examined as under:

CIF export price Rs/MT	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Exports from subject country	25024	22633	37349	38493
Other Countries attracting Anti Dumping Duty	34392	42946	42340	38267
All Imports	26206	29690	37596	37001
Net sales realization	***	***	***	***

37. The Authority observes that the movement in the selling price of the domestic industry was in tandem with the import price in India. It is also noted that the price difference between other countries attracting anti dumping duty and subject country was high in 2004-05 and 2005-06, thus resulting in low volume of imports from subject country. However, with the price difference reducing in POI, the volume of subject imports increased significantly.

Price undercutting

38. In order to ascertain the price undercutting being caused by the dumped imports, the Authority has compared net sales realization of the domestic industry with the landed price of imports. The net sales realization was arrived after deducting all rebates and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value of subject imports. The landed value

of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry.

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
CIF export price Rs/MT				
China PR - Subject country	25024	22633	37349	38493
Other Countries attracting duty	34392	42946	42340	38267
Customs duties	20%	15%	11.25%	7.5%
Landed price of imports				
Subject countries	30329	26288	41967	41793
Other Countries attracting duty	41684	49881	47574	41549
Net sales realization (Rs/Mt)	***	***	***	***
Cost of sales (Rs/Mt)	***	***	***	***
Price undercutting price Rs/MT				
Exports from China PR	***	***	***	***
Other Countries attracting duty	***	***	***	***
Price undercutting price (%)				
Exports from China PR	20-30	30-40	0-10	0-10
Other Countries attracting duty	Negative	Negative	Negative	0-10
Non Injurious price Rs/Mt				***

39. It is observed that the dumped imports from China PR are undercutting the prices of the domestic industry during POI as well as in the previous years. It is also observed that during POI price undercutting is quite significantly positive from other countries, which are at present attracting anti dumping duties.

40. Price suppression/depression

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Selling price	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	113	115
Cost of sales	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	96	110

In order to assess whether the imports from the subject country were suppressing/depressing the prices of the domestic industry, the Authority compared the trends in selling prices and cost of production, as seen in the table above. It is noted that selling prices of the domestic industry increased over the injury period. However, in the current POI, where the volume of imports increased very significantly from the China PR as compared to previous year, the increase in the selling price was less than increase in

the cost of production. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry whenever the volume of dumped imports was significant.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

41. Examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Production, sales, capacity and capacity utilization

42. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry(M/s TSIL and TCP) moved as shown below.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Capacity	Mt	24000	25625	30500	30500
Production	Mt	21831	22241	24038	26026
Domestic sales	Mt	19560	20736	22765	23567
Capacity utilization	%	91	87	79	85
Unutilized Capacity	Mt	2169	3384	6462	4474

It is observed that capacity, production and sales of the domestic industry increased but capacity utilization declined over the period. Thus, the domestic industry has been able to improve its volumes after imposition of anti dumping duties. It is however found that the subsequent increase in import volumes prevented further growth in production, sales. Consequently, capacity utilization declined.

43. Profit, return on capital employed and cash flow

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Profit/(Loss) per unit	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	89	123	-50
Profit/(Loss) (PBT)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	94	143	-60
Profit/(Loss) (PBIT)	Rs/Lacs	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	-146	-216	28
Return on investment(NFA)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-108	-143	22
Cash profits	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-145	-230	19
Imports volume from China PR	Mt	765	545	2075	2311

The profit of the domestic industry declined up to 2004-05, the investigation period of the China sunset review case. Profits improved thereafter with decline in import volumes. However, profitability deteriorated once again in current POI with significant increase in the imports.

44. The domestic industry was faced with low return in 2003-04, which turned negative in 2004-05. The domestic industry could significantly improve its return on investments in 2006-07. However, with decline in profits in POI as a result of increase in imports once again, return on capital employed declined in POI. In any case, the return on investments was substantially lower than the reasonable levels.

45. All the domestic producers are multi product companies and cash flow situation of the company would not be indicative of the situations in the subject product. Hence the Authority has examined cash profits over the years and the same is as shown above. The position with regard to cash flow shows the same trend as that of profits and return on investments. The domestic industry was faced with low cash flow in 2003-04, which turned negative in 2004-05. The domestic industry could significantly improve its cash profits in 2006-07. However, with decline in profits in POI as a result of increase in imports once again, cash profits declined in POI.

46. Employment, wages and productivity

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Number of employees	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Productivity	MT/person	***	***	***	***

The Authority observed that no significant changes in employment level. Wages have shown normal increases. Productivity, expressed in terms of production per employee shows some improvement.

Inventories

47. Average stock of finished products with the domestic industry showed declining trend.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Average stock	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	87.71	96.61	86.24
No. of days sales in stock	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	82.74	83.01	71.58

Growth

48. Large number of the injury parameters show adverse trend during the period under examination. While there was substantial improvements and positive growth in 2005-06, the same once again became negative in respect of a number of parameters, even though this was positive in respect of production, sales volumes and inventories.

G. FINAL FINDINGS:

49. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from the subject country is substantial and above de-minimis.
- ii) The Authority notes that during the sunset review, the duty was recommended in the form of reference price. It has been the contention of the domestic industry that this product is landing in India almost at the reference price recommended during the sunset review and the duty should be in fixed form. In respect of export price, as noted at para 22/ 23 of the Disclosure statement, the petitioner has highlighted (based on the DGC&IS information and of China Customs data) that the prices at which the material has been reported for customs clearance (in India) are not the prices at which the goods have been exported from China. As per the DGC&IS data, the imports during POI were 2311 MT at CIF price of US \$ 944.61 per MT whereas the China Customs shows

FOB export price of US \$ 755.37 per MT. After adjusting for ocean freight, insurance and other expenses, there still remains a gap of hundred plus US \$. Therefore, the domestic industry contended that the majority of the imports have landed at prices just to match the bench mark price. In view of this position, the Authority notes that the duty in the form of reference price has not been able to provide the desired relief.

iii) Although the production capacity, production, and sales of the domestic industry have gone up and the profitability has become less negative during the POI vis-à-vis the base year, significant increase in import volumes at dumped prices has resulted in substantial price undercutting and price suppression. The situation of domestic industry continues to be vulnerable and dumped imports from the subject country continue to cause a substantial injury to the domestic industry. Should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.

H. Indian industry's interest and other issues

50. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practice, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

51. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

52. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be vulnerable and there is likelihood of continuation or intensification of dumping and injury on account of imports from China PR if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended. Further, in view of the landed prices matching the reference price recommended in the sunset review, the Authority recommends imposition of duty in the fixed form.

53. Having examined the current dumping and likelihood of continuation, the Authority recommends continued imposition of Anti-Dumping Duty in place as recommended earlier by the Authority vide Final Findings Notification No. 15/10/2005-DGAD Dated 06.09.2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I, Dated 07.09.2006 and notified by the Central Government vide Notification No. 108/2006-Customs Dated. 16.10.2006, an anti-dumping duty equal to the amount mentioned in the corresponding entry in column (9) in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and as per the unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (10) of the Table given as per like unit of measurement:

Duty Table									
Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Product	Exporter	Amount (in USD)	Unit of Measurement/Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2831 and 2832	Sodium Hydroxide	All Grades	Peoples Republic of China	Any	Any	Any	372.19	Mt/US\$
2.	2831 and 2832	Sodium Hydroxide	All Grades	Any	Peoples Republic of China	Any	Any	372.19	Mt/US\$

54. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority